

चेन्नई

मिथ वहीदा,

05.02.2017

यहाँ आए पाँच दिन हो गए हैं। रोज कहीं न कहीं घूमने जाते हैं। यहाँ तो उड होगी, यहाँ बहुत गर्मी है। यहाँ जब लोग आपस में बात करते हैं तो मेरी समझ में नहीं आता है। मजे की शात बताऊँ ! यहाँ समोसे भी चावल के आटे के बनते हैं। मैंने यहाँ पर इडली, डोसा, सौंभर, उपमा खूब खाए। यहाँ हर घर में नारियल और केले के पेढ़ लगे हैं।

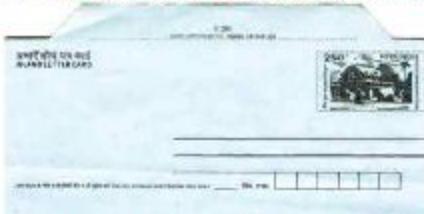
यहाँ आदमी कमीज और सफेद लुंगी पहनते हैं। लड़कियाँ फूलों का गजरा (बिणी) लगाती हैं।

समुद्र देखकर मैं तो दंग रठ गई। इतना पानी, इतना पानी और उसमें इतनी ऊँची-ऊँची लहरें कि देखकर आनंद आ गया। हमने यहाँ का अजूबा सौंपधार भी देखा। इन पाँच दिनों में मैंने तमिल भाषा के कुछ शब्द भी सीख लिए हैं।

तुन्हारी
सरोज

अभ्यास

1. पत्र के आधार पर उत्तर दो –
 क. सरोज ने पत्र किसको लिखा है ?
 ख. यह पत्र कहाँ से लिखा गया है ?
 ग. सरोज ने चेन्नई में क्या-क्या देखा ?
 घ. दूसरी भाषाएँ सीखने से क्या लाभ होता है ?
2. शिक्षा स्थानों की पूर्ति करो –
 क. मैंने यहाँ पर खाए।
 ख. यहाँ पर समोसे भी आटे से बनते हैं।
 ग. लड़कियाँ लगाती हैं।
3. वाक्य बनाओ—
 प्रेम सादगी लड़के सीप नारियल
4. बहुवचन बनाओ –
 स्त्री लघर लड़की सीपी समोसा
5. पत्र एक जगह से दूसरी जगह कौसे पहुँचता है ? पता करो और लिखो।
6. पत्र भेजने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय पत्र, लिफाफा, पोस्टकार्ड का प्रयोग किया जाता है। हम भी एक लिफाफा बनाओ।
7. नीचे दिए गए अन्तर्राष्ट्रीय पत्र पर अपने मित्र का नाम और पता लिखो—



श्री दस्तों को पत्र लेखन के विविध प्रकारों से परिचित कराएँ। कोई विषय देकर पत्र लिखने के लिए प्रेरित होए। अक्षर का अभ्यास कराएँ।

